वाक्य - विज्ञान

वाक्य-विज्ञान में वाक्य की रचना, वाक्य के आवश्यक तत्व, वाक्य में पदों का क्रम, वाक्य में पदों की अन्विति, वाक्य के प्रकार, वाक्य में बलाघात, वाक्य के निकटस्थ अवयवों पर विचार करते हुए, इन सबसे सम्बन्धित सामान्य सिद्धांतों का निर्धारण किया जाता है।

वाक्य विज्ञान के प्रकार :-

वाक्य विज्ञान के अध्ययन के 3 प्रकार है :-
1. वर्णनात्मक वाक्य विज्ञान
2. ऐतिहासिक वाक्य विज्ञान
3. तुलनात्मक वाक्य विज्ञान।

(1) वर्णनात्मक वाक्य विज्ञान — जिसमें किसी भाषा विशेष के, काल विशेष में, प्रयुक्त वाक्यों की रचना आदि पर विचार किया जाता है।

(ii) ऐतिहासिक वाक्य विज्ञान — जिसमें किसी भाषा विशेष की, वाक्यरचना का प्रारम्भ से अन्त तक का, कालक्रम की दृष्टि से ऐतिहासिक या विकासात्मक अध्ययन किया जाता है।

(iii) तुलनात्मक वाक्य विचार :- जिसमें दो या अधिक भाषाओं वाक्य रचना आदि का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन किया जाता है। यह तुलना वर्णनात्मक भी हो सकती है और ऐतिहासिक भी।

* "पूर्ण अर्थ की प्रतीति कराने वाला शब्द समूह वाक्य है।"

वाक्य की एक परिभाषा भी विवाद से परे नहीं है। इस परिभाषा के अनुसार वाक्य की दो विशेषताएँ हैं —

(क) "वाक्य" शब्दों का समूह है" तथा
(ख) वाक्य पूर्ण अर्थ की प्रतीति कराता है"

* परिभाषा :-

डा० भोलानाथ तिवारी " वाक्य पूरी बात की तुलना में अपूर्ण होते हुए भी अपने-आप में पूर्ण लघुत्तम स्वतंत्र सार्थक इकाई है।"

" वाक्य लघुत्तम पूर्ण स्वतंत्र भाषांश है "
" वाक्य भाषा का चरम अवयव है "
" भाषा विज्ञान कोश "

डा० देवेन्द्रनाथ शर्मा " भाषा की न्यूनतम पूर्ण सार्थक इकाई वाक्य ही है "

* भाषा में प्रयुक्त वाक्यों का वर्गीकरण अनेक आधारों पर किया जा सकता है जिनमें निम्नलिखित चार आधार प्रमुख हैं

(1.) आकृति का आधार –
(2.) रचना का आधार –
(3.) अर्थ या भाव का आधार –
(4.) क्रिया के होने या न होने का आधार –

(क) आकृति का आधार – आकृति से तात्पर्य है – रूपतत्व या सम्बन्धतत्व। भाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण में भी इसी को ध्यान में रक्खा जाता है। आकृति के आधार वाक्यों के चार वर्ग हैं। 1. अयोगात्मक वाक्य
2. अश्लिष्टयोगात्मक वाक्य
3. श्लिष्टयोगात्मक वाक्य
4. प्रश्लिष्टयोगात्मक वाक्य

(ख) रचना का आधार – रचना या वाक्य रचना या वाक्य गठन से तात्पर्य है – वाक्य में उद्देश्य विधेय आदि का प्रयोग। रचना के आधार पर वाक्यों के तीन प्रकार बनते हैं –
1. साधारण वाक्य।
2. मिश्रित वाक्य
3. संयुक्त वाक्य

(ग) अर्थ या भाव का आधार – विधान, निषेध, आज्ञा आदि को ही अर्थ या भाव कहते हैं। इनके आधार पर वाक्यों के अनेक प्रकार सम्भव हैं, जिनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार प्रस्तुत हैं –

1. विधानात्मक – मोहन जाता है।
2. निषेधात्मक – मोहन नहीं जाता है।
3. आदेशात्मक – मोहन जाओ।
4. प्रश्नात्मक – आपस घर कहाँ है?
5. विस्मयात्मक – इतनी बड़ी सफलता!
6. सम्भावनात्मक – वह चला गया होगा।